IJARASEM

ISSN: 2395-7852

International Journal of Advanced Research in Arts, Science, Engineering & Management

Volume 10, Issue 2, March 2023

ISSN INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

निस्केयर NISCAIR

of Advanced Research in Arts, Science, Engineering & Management (IJARASEM)

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | | Impact Factor: 6.551| Bimonthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 10, Issue 2, March 2023|

प्राथमिक विद्यालयों में ऑपरेशन कायाकल्प

[1] स्नेहा राय प्रियदर्शनी & [2]डॉ. जियाउल हसन खाँ

[1]शोध छात्रा, शिबली नेशनल कालेज आज़मगढ़, उत्तर प्रदेश

[2]शोध निर्देशक, असिस्टेंट प्रोफेसर, शिबली नेशनल कालेज, आज़मगढ़, उत्तर प्रदेश

सार

विद्यालय, अर्थात वो स्थान जहां देश का भविष्य आकार लेता है। जहां हमारी भावी पीढ़ियां अर्थात् हमारे बच्चों के बेहतर भविष्य की नींव रखी जाती है। विद्यालय बच्चों के व्यक्तित्व के निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण केन्द्र होते है ऐसे में सरकारी प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं और अवस्थापनात्मक स्थितियों का बेहतर होना अति आवश्यक है।

जून 2018 में माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने भारत के सबसे बड़े अन्तर्विभागीय कनवर्जन्स प्रोग्राम में से एक 'ऑपरेशन कायाकल्प' की शुरूआत की थी। इसके अन्तर्गत केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विभिन्न मदों जैसे समग्र शिक्षा अभियान, ग्राम पंचायत निधि, ज़िला खनिज निधि, नगरीय क्षेत्र की विभिन्न निधियां, जल जीवन मिशन, मनरेगा इत्यादि में विशेष रूप से धनराशि उपलब्ध कराई गयी है जिसमें अन्तर्विभागीय समन्वय स्थापित कर प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों की मूलभूत अवस्थापनात्मक सुविधाओं को कायाकल्पित किया जा रहा है। 'ऑपरेशन कायाकल्प' को शुरू हुए अभी लगभग तीन वर्ष हैं हुए हैं मगर इस अल्प अवधि में ही प्रदेश के प्रत्येक विद्यालय में चरण बद्ध रूप से कायाकल्प का कार्य प्रारम्भ हो चुका है । प्रत्येक जनपद में बड़े पैमाने पर स्कूलों का कायाकल्प किया जा चुका है।

कायाकल्प के कार्यों की प्रमाणिकता एवं पारदर्शिता के लिए प्रत्येक विद्यालय की फोटो प्रोटोकॉल के तहत जीओ टैगिंग करवाई जा रही है। प्रेरणा पोर्टल के माध्यम से निरंतर इन कार्यों के सन्तृप्तिकरण का रियल टाइम अनुश्रवण भी किया जा रहा है। परिणाम स्वरूप ऑपरेशन कायाकल्प सैंकड़ों किलोमीटर दूर स्थित गांव और कस्बों के विद्यालयों को नयास्वरूप प्रदान कर चुका है। प्रदेश के सैकड़ों विद्यालयों में अब ज़बरदस्त परिवर्तन हो चुका है। इन विद्यालयों में गेट, चारदीवारी, फर्श पर टाइल्स, खेलने के लिए पार्क और लाइब्रेरी के साथ डिजिटल क्लास रूम्स, बालक और बालिकाओं के लिए अलग अलग शौचालय, पीने के पानी और हाथ धोने के लिए हैण्डवॉश सिस्टम, क्लास रूम में बच्चों के बैठने के लिए फर्नीचर की सुविधा मिलने के बाद यहां पढ़ने वाले बच्चों के चेहरों की मुस्कान और खुशियां कायाकल्प की सफलता दर्शाते है। प्रधानाध्यापक, शिक्षक और एसएमसी के सदस्यों की सक्रियता ने इन विद्यालयों को प्रदेश के सबसे सुन्दर विद्यालयों की श्रेणी में परिवर्तित कर दिया और ये विद्यालय गांव के लोगों के लिए आर्दश का केन्द्र बन चुके हैं।

19 आधारभूत सुविधाओं में सुधार कर बड़े पैमाने पर प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों को 5 स्टार श्रेणी युक्त बनाकर इन्हे आदर्श विद्यालय एवं ग्राम सभा के सबसे आदर्श भवन के रूप में विकसित किया जा चुका है। इस क्रम में दिव्यांग सुलभता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। कोविड महामारी से बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के समस्त विद्यालयों में हैण्डवाशिंग यूनिट निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

विद्यालयों में बाल मैत्रिक एवं दिव्यांग सुलभ अभिगम्यता के अनुरूप अवस्थापना सुविधाओं के विकास एवं निर्माण हेतु यूनिसेफ के सहयोग से बनाये गये टेक्निकल मैन्युअल ने राज मिस्त्रियों, अध्यापकों, ग्राम प्रधानों इत्यादि के तकनीकी एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण और क्षमता संवर्द्धन में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं।

इस प्रकार प्रदेश में विभिन्न जनपदों के ज़िलाधिकारियों, मुख्य विकास अधिकारियों, बेसिक शिक्षा विभाग, पंचायतीराज विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, नगर विकास विभाग इत्यादि के अधिकारियों, ग्राम प्रधानों और शिक्षकों के अमूल्य सहयोग से अब न केवल ग्रामीण अंचल के विद्यालयों को आर्दश विद्यालय के रूप में स्थापित किया जा रहा है बल्कि शहरी क्षेत्र के विद्यालयों का भी कलेवर बदला जा रहा है। ऑपरेशन कायाकल्प शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे एक ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक है। इसके ज़रिये अगस्त, 2022 तक प्रदेश के सभी सरकारी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को इसी प्रकार आर्दश विद्यालय के रूप में परिवर्तित करने का लक्ष्य है। कायाकल्प के बाद इन विद्यालयों छात्रों की संख्या में भी रिकार्ड वृद्धि हुई है, साथ ही इन विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के चेहरों पर खुशियों की रौशनी भी बढ़ी है। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ रहे 1.66 करोड़ बालक-बालिकाओं एवं उनके अभिभावकों को ऑपरेशन कायाकल्प से हुये बदलाव एवं वर्तमान शिक्षा नीतियों के प्रति विश्वास हो चला है कि उनके सपने अवश्य ही साकार होंगे। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि राज्य द्वारा संचालित स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिये 'ऑपरेशन

कायाकल्प' के तहत पारंपरिक शिक्षण पद्धति के साथ तकनीक आधारित शिक्षा का प्रयोग किया जा रहा है। प्रदेश में शिक्षा सुविधाओं में लगातार सुधार लाने के उद्देश्य से 'ऑपरेशन कायाकल्प' के तहत प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों को 'स्मार्ट स्कूलों' में बदला जाएगा। इसके तहत लगभग 30,000 माध्यमिक विद्यालय स्मार्ट कक्षाओं, खेल के मैदानों, उचित शौचालयों, पुस्तकालयों, कंप्यूटर प्रयोगशालाओं, कला कक्षों और अन्य आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किये जाएंगे। इसी संदर्भ में सरकार द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के संकल्प को पूरा करने और सरकारी स्कूलों को सुविधाओं एवं बुनियादी ढाँचे के मामले में निजी स्कूलों के बराबर बनाने के लिये एक कार्य योजना तैयार की गई है।उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'ऑपरेशन कायाकल्प' की शुरुआत वर्ष 2019 में की गई थी।

परिचय

Operation Kayakalp: योगी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल में ऑपरेशन कायाकल्प से प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों की स्मार्टनेस को और बढ़ाने जा रही है. अब तक यूपी के सभी प्राथमिक स्कूलों की बदहाल स्थिति की तस्वीरें सामने आती हैं, लेकिन अब ये स्कूल अपने शानदार इंफ्रा के लिए जाने जा सकते हैं. इसके लिए यूपी सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है.यूपी के सभी प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों के लिए अनुकूल फर्नीचर जैसे टेबल, बैंच आदि की व्यवस्था होगी. 30,000 माध्यमिक विद्यालयों के बुनियादी ढांचे का नवीनीकरण भी किया जाएगा. Operation Kayakalp में निजी स्कूलों की तरह सरकारी विद्यालयों में ऑडियो-वीडियो प्रोजेक्ट के साथ स्मार्ट क्लास रूम बनाने की भी योजना है.प्रदेश के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय अब Operation Kayakalp के बाद कान्वेंट स्कूलों को टक्कर देंगे. उनमें पुस्तकालय, कम्प्यूटर लैब, साइंस लैब, आर्ट रूम बनाने के साथ-साथ वाई-फाई की व्यवस्था होगी. निजी स्कूलों की तरह बच्चों की बेहतर पढ़ाई के लिए हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है. Operation Kayakalp के तहत कई विद्यालयों में बच्चों के लिए खेलने के लिए मैदान की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है.[1]

सत्ता में आने के बाद से ही योगी सरकार ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों की तस्वीर को बदलने का बड़ा काम शुरू किया. सरकारी विद्यालयों के आधुनिक होने की दिशा में बढ़ते कदमों का परिणाम है कि प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय कान्वेंट स्कूलों को टक्कर देने लगे हैं.

जिन सरकारी स्कूलों में अभिभावक अपने बच्चों को भेजना नहीं चाहते थे, उनमें छात्रों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2019 में आपरेशन कायाकल्प (Operation Kayakalp) की शुरुआत की.कायाकल्प योजना (Operation Kayakalp) के तहत 1.33 लाख परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले 1.64 लाख बच्चों को आधुनिक परिवेश के साथ स्वच्छ और सुरक्षित माहौल देने का प्रयास किया जा रहा है. कायाकल्प योजना (Operation Kayakalp) के तहत विद्यालय का सौंदर्यीकरण, शुद्ध पेयजल, शौचालय, फर्नीचर आदि की व्यवस्था भी की जा रही है. Kayakalp Yojana 2022: सरकारी स्कूलों का कायाकल्प करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीड़ा उठा लिया है और इसी क्रम में उन्होंने कायाकल्प योजना (Kayakalp Yojana 2022) का शुभारंभ किया है। इस योजना के तहत कानपुर (देहात) के 1933 सरकारी प्राथमिक और जूनियर स्कूलों को निजी स्कूलों की तर्ज पर विकसित किया जायेगा और उनमें सभी प्रकार की सुविधाएं विकसित करके बच्चो को सरकारी स्कूल में दाखिला लेने और पढ़ रहे बच्चो को वही बने रहने हेतु प्रोत्साहित किया जायेगा। सरकारी स्कूलों की शक्ल सूरत सुधारने हेतु मुख्यमंत्री द्वारा की गयी इस पहल का सभी लोग स्वागत कर रहे हैं। कायाकल्प योजना के अंतर्गत सरकारी स्कूलों को भी निजी स्कूलों की भांति चमकाया जायेगा क्यूंकि सरकारी स्कूलों की जर्जर हालत, सफाई की कमी, पानी की समुचित व्यवस्था न होने, रंग रोगन समय समय पर ना होने से और मैदान जैसी व्यवस्था न होने से न सिर्फ अभिभावक बच्चो को स्कूल भेजने से कतराते है बल्कि बच्चे भी मन लगाकर नहीं पढ़ते। इस व्यवस्था को बदलने के लिए कायाकल्प योजना शुरू की गयी है जिसके तहत सरकारी स्कूलों में शौचालय, पीने के पानी हेतु समुचित व्यवस्था, जर्जर बिल्डिंगो में सुधार, रंग रोगन, टाइल्स बिछाना, स्कूल के चारो और बॉउंड्री वाल, दिव्यांग रैंप, अच्छी गुणवत्ता वाली ब्लैकबोर्ड, एवं वृक्षारोपण जैसे कार्य किये जायेंगे जिससे न सिर्फ बच्चे सरकारी स्कूलों में आने को प्रोत्शाहित होंगे बल्कि मन लगाकर अध्ययन भी करेंगे। उत्तर प्रदेश में दोबारा में सत्ता में आने के बाद योगी सरकार इस बार ऑपरेशन कायाकल्प के तहत प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों की स्मार्टनेस को और बढ़ाने जा रही है. इसके लिए पूरी तैयारी कर ली गयी है. प्रदेश के सभी प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों के लिए अनुकूल फर्नीचर की व्यवस्था होगी. इसके अलावा 30 हजार माध्यमिक विद्यालयों के बुनियादी ढांचे का नवीनीकरण भी किया जाएगा. [2]

सीएम योगी ने कहा कि निजी स्कूलों की तरह सरकारी विद्यालयों में ऑडियो-वीडियो प्रोजेक्ट के साथ स्मार्ट क्लास रूम बनाने की भी योजना है. प्रदेश के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय कान्वेंट स्कूलों को टक्कर देंगे. इनमें पुस्तकालय, कम्प्यूटर लैब, साइंस लैब, आर्ट रूम बनाने के साथ-साथ वाई-फाई की व्यवस्था होगी.

इसके साथ ही निजी स्कूलों की तरह बच्चों की बेहतर पढ़ाई के लिए हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है. कई विद्यालयों में बच्चों के खेलने के लिए मैदान की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है. सत्ता में

आने के बाद से ही योगी सरकार ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों की तस्वीर को बदलने का बड़ा काम शुरू किया.इस योजना से उन गरीब परिवारों जिनके बच्चे आर्थिक समस्या के कारण महंगे निजी विद्यालयों में दाखिला नहीं ले पाते है उनके लिए उम्मीद की किरण जगी है। अब उन्हें भी आस है की सरकारी स्कूलों में निजी स्कूलों जैसी सुविधाएं होने के कारण उनके बच्चे भी सुनहरा भविष्य बनाने में समर्थ होंगे। आम आदमी जो निजी स्कूलों की महंगी फीस देने में असमर्थ होने के कारण हताश थे उनके लिए ये योजना किसी वरदान सरीखी है।इस योजना के तहत कानपुर (देहात) के 1933 सरकारी प्राथमिक और जूनियर स्कूलों को निजी स्कूलों की तर्ज पर विकसित किया जायेगा और उनमें सभी प्रकार की सुविधाएं विकसित करके बच्चो को सरकारी स्कूल में दाखिला लेने और पढ़ रहे बच्चो को वही बने रहने हेतु प्रोत्साहित किया जायेगा। सरकारी स्कूलों की शक्ल सूरत सुधारने हेतु मुख्यमंत्री द्वारा की गयी इस पहल का सभी लोग स्वागत कर रहे हैं।[3]

- सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले सभी बच्चों को योजना के तहत स्कूल की नई रूप रेखा देखने को मिलेगी।
- इस प्रक्रिया के माध्यम से बच्चे पढाई के लिए आकर्षित होंगे एवं सरकारी स्कूलों में सभी सुविधा उचित प्रकार से उपलब्ध होने पर बच्चों की संख्या में वृद्धि होगी।
- यह सरकारी स्कूलों की स्थिति में सुधार करने के लिए योगी सरकार के द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।
- सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थी उत्साह के साथ पढाई हेतु प्रेरित होंगे।[4]

Kayakalp Yojana 2022 में शामिल होने वाले काम

- पानी की समुचित व्यवस्था
- ख़राब हैंडपंपों को सही करना
- सुरक्षा हेतु बॉउंड्री वाल
- रंग रोगन के साथ आकर्षक पेंटिंग जैसे कार्य इस योजना का हिस्सा है।[5]

विचार-विमर्श

योगी सरकार प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों के कायाकल्प के लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर तेजी से अग्रसर है. जल्द ही ऑपरेशन कायाकल्य के तहत प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में निर्धारित समय-सीमा से पहले लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा. इस अभियान में जनप्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ सभी राजपत्रित अधिकारियों के साथ विद्यालयों के पूर्व छात्रों का भी सहयोग स्कूलों के कायाकल्प अभियान में शामिल किया जाएगा. जिससे यूपी के स्कूल देश के दूसरों प्रदेशों के समक्ष नजीर बनें. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जून 2018 में ऑपरेशन कायाकल्प की शुरूआत की. जिसके तहत विद्यालयों में पीने का शुद्ध पानी, डेस्क बेंच हो, दिव्यांग मैत्रिक शौचालय, बिजली जैसे 19 मानकों के माध्यम से कायाकल्प अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है. साल 2018-2019 में जहां सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल का 67 प्रतिशत काम पूरा किया गया थ वहीं मई 2022 तक यूपी में 96 प्रतिशत काम पूरा किया जा चुका है. मई 2022 तक कक्षा-कक्ष में बलैक बोर्ड ग्रीन बोर्ड का 100 प्रतिशत, हैंडवाशिंग यूनिट का 89 प्रतिशत, विद्यालयों की रंगाई पुताई का 96 प्रतिशत, विद्युत संयोजन व विद्युत आपूर्ति का 84 प्रतिशत और बाउंड्रीवॉल व गेट का 76 प्रतिशत काम प्रदेश में पूरा किया जा चुका है. प्रदेश के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में बिजली की सुविधा नहीं है, उन्हें सोलर पैनेल से जोड़ा जाएगा. इसके साथ ही 30 जून तक सभी विद्यालयों में पीने के पानी की व्यवस्था की सुनिश्चित की जाएगी. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऑनलाइन व स्मार्टक्लास के लिए प्रभावी विषय वस्तु तैयार करने के साथ ही शिक्षा प्रदान करने के साथ ही बच्चों की पाठ्येत्तर गतिविधियों को बढ़ाने के आदेश दिए हैं. आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सभी परिषदीय विद्यालयों में बच्चों द्वारा वृक्षारोपण कर उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक भी किया जाएगा. [6]

प्रदेश में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कायाकल्प अभियान के लिए 19 मानकों पर तेजी से काम किया जा रहा है. जिसमें सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल, बालकों के लिए क्रियाशील शौचालय, बालिकाओं के लिए क्रियाशील शौचालय, दिव्यांग मैत्रिक शौचालय, बालकों के लिए क्रियाशील मूत्रालय, बालिकाओं के लिए क्रियाशील मूत्रालय, सभी शौचालयों एवं मूत्रालयों में निरंतर नल जल, शौचालयों व मूत्रालयों में टाइल्स, हैंडवाशिंग यूनिट, कक्षा एवं कक्ष की फर्श मार्बल कोटा स्टोन टाइल्सयुक्त, कक्षा कक्ष में बलैक बोर्ड ग्रीन बोर्ड 100 प्रतिशत, रसोईघर पक्के फर्श छत एवं दीवारों की रंगाई पुताई, स्कूलों की रंगाई पुताई, विद्युत सुरक्षित वायरिंग के साथ लाइट पंखे, विद्युत संयोजन व विद्युत आपूर्ति, डैस्क व बैंच, पाइप वाटर रनिंग वाटर, रैंप व रेलिंग और बाउंड्रीवॉल व गेट शामिल हैं. [7]

ऑपरेशन कायाकल्प के अमल में आने के साथ ही गोरखपुर के परिषदीय स्कूलों की सूरत बदल रही है। इसके तहत गोरखपुर के ग्रामीण और शहरी इलाकों में एक हजार से ज्यादा स्कूलों का कायाकल्प हो चुका है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार के साथ ही स्वास्थ्य

मंत्रालय के इस ऑपरेशन कायाकल्प का मकसद बच्चों में साफ-सफाई पर जोर देना है। योजना के तहत सभी परिषदीय विद्यालयों को मॉडल स्कूल की तर्ज पर विकसित करने का काम किया जा रहा है। इस ऑपरेशन के तहत अभी तक गोरखपुर के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को मिलाकर 1285 परिषदीय विद्यालयों का कायाकल्प किया जा चुका है। इसके साथ ही चिन्हित किए गए परिषदीय स्कूलों पर भी तेजी से काम किया जा रहा है। ऑपरेशन कायाकल्प योजना के तहत पहले चक्र में विद्यालयों को चिन्हित किया जाता है। इसके बाद विद्यालयों में कार्य के लिए बीएसए (बेसिक शिक्षा अधिकारी) एक प्रस्ताव डीपीआरओ (जिला पंचायत राज अधिकारी) को भेजता है। इसके बाद डीपीआरओ चिन्हित विद्यालयों में काम शुरू करवाते हैं। कायाकल्प योजना के तहत बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए मॉडल स्कूल की तरह हर सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इस योजना के तहत विद्यालयों के कमरे की रंगाई-पुताई,कमरे में टाइल्स, हैंडवॉश यूनिट,छात्र -छात्राओं के लिए मॉडल टॉइलट ,दिव्यांग बच्चों के लिए रैंप-रेलिंग, स्वच्छ पेयजल के लिए आरओ आदि का इंतजाम किया जाता है। साथ ही स्कूल की बाउंड्री पर भी वैज्ञानिकों के चित्र-पेंटिंग बनाए जाएंगे। विद्यालयों में विद्युतीकरण, शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल, बालक व बालिका के लिए मॉडल शौचालय, शौचालय में जल आपूर्ति, दिव्यांग सुलभ शौचालय, मल्टिपल हैण्ड वॉशिंग यूनिट, क्लासरूम में टाइल्स, ब्लैक बोर्ड, रसोई घर, विद्यालय की रंगाई-पुताई, विद्यालय परिसर में दिव्यांग के लिए रैंप-रेलिंग की व्यवस्था, विद्यालय का विद्युत् संयोजन। बताते चले गोरखपुर के ग्रामीण क्षेत्र कैम्पियरगंज, खोराबार, खजनी, ब्रह्मपुर ब्लॉक में ऐसे कई स्कूल हैं, जिनका कायाकल्प किया जा चुका है। वहां बेहतर सुविधाएं देने की वजह से बच्चों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। वहीं ब्रह्मपुर ब्लॉक के पूर्व माध्यमिक विद्यालय को भी मॉडल विद्यालय की तर्ज पर विकसित किया गया है। यहां के इंतजाम किसी मायने में कान्वेंट स्कूल से कम नहीं हैं।[8]

परिणाम

नगर विकास विभाग शहरी क्षेत्र के परिषदीय स्कूलों को आपरेशन कायाकल्प के तहत सजाने व संवारने जा रहा है। प्रमुख सचिव नगर विकास दीपक कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। प्रमुख सचिव ने सभी निकायों को निर्देश भेज दिए हैं। उन्होंने शहरी निकायों से वह सूची भी साझा की है जिसमें बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों की दशा सुधारने के लिए कराए जाने वाले कामों का ब्योरा दिया गया है। ग्रामीण इलाकों में पंचायतीराज विभाग के माध्यम से परिषदीय स्कूलों की स्थित सुधारने के लिए ऑपरेशन कायाकल्प शुरू किया गया। इसमें परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों से कहा गया कि वे ग्राम प्रधानों और सचिवों से मिलकर स्कूलों में मूलभूत सुविधाएं विकसित कराएं। हालांकि शिक्षकों ने ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह का काम करा पाने में काफी असमर्थता जताई है और व्यवस्था पर सवाल भी उठाए हैं। वजह, पंचायती राज निदेशक का वह आदेश है जिसमें कहा गया है कि पंचायतीराज विभाग से तय काम हो ने के बाद रकम बचने पर स्कूलों में ऑपरेशन कायाकल्प का काम कराया जाए।

प्रमुख सचिव नगर विकास ने कहा है कि शहरी निकायों द्वारा परिषदीय स्कूलों में ऑपरेशन कायाकल्प से काम शुरू कराए जाएं। इसके लिए केंद्रीय वित्त आयोग, राज्य वित्त आयोग, स्मार्ट सिटी फंड, निकाय निधि, निगम निधि व अवस्थापना विकास निधि का इस्तेमाल किया जा सकता है।[9]
ये काम होंगे:

- छात्र और छात्राओं के लिए अलग टॉयलेट
- स्वच्छ पेयजल, मल्टिपल हैंडवॉशिंग और जल निकासी की व्यवस्था
- विद्यालय की फर्श, छत, दररखाजे और खिड़कियों की मरम्मत
- टाइल्स लगवाना, विद्युतीकरण, फर्नीचर, इंटरलॉकिंग
- किचन शेड, चहारदीवारी व गेट

निष्कर्ष

ऑपरेशन कायाकल्प योजना के तहत यूपी के परिषदीय विद्यालयों की सूरत बदल रही है। इस योजना के तहत यूपी के प्राइमरी स्कूलों को आकर्षक बनाया जा रहा है। रंग रोगन से लेकर मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त किया जा रहा है।[10]
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी के मुख्यमंत्री के रूप में तीन साल का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। इन तीन सालों में योगी सरकार कई मोर्चों पर सफलता के नए आयाम गढ़ती नजर आई है। औद्योगिक विकास से लेकर विदेश निवेश की दिशा में कई सराहनीय कदम उठाए गए हैं। वहीं प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिहाज से भी सरकार उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। समय समय पर योगी आदित्यनाथ स्वयं शिक्षा नीति की समीक्षा करते हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों की दशा सुधारने के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ऑपरेशन कायाकल्प योजना चला रही है। इस योजना के तहत यूपी के

परिषदीय विद्यालयों की सूरत बदल रही है। इस योजना के तहत यूपी के प्राइमरी स्कूलों को आकर्षक बनाया जा रहा है। रंग रोगन से लेकर मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त किया जा रहा है, साथ स्कूल परिसर में पौधे रोपकर हरियाली भरा माहौल बनाया जा रहा है। कई स्कूलों की तस्वीरें प्राइवेट स्कूलों के टक्कर की लगती हैं। परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं का विकास करना सरकार का लक्ष्य बताया जा रहा है। इस योजना के तरह परिषदीय विद्यालयों में ब्लैक-बोर्ड, बदहाल बिल्डिग की मरम्मत, फर्नीचर, सुंदरीकरण के कार्य हो रहे हैं। इतना ही नहीं स्कूलों में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण, बाउंड्रीवाल, गेट, क्रियाशील शौचालय, छात्र-छात्राओं के लिए उनकी संख्या के अनुरूप अलग-अलग शौचालय बनवाना, रनिग वॉटर की व्यवस्था, सबमर्सिबल पंप, इंटरलॉकिग टाइल्स, किचन एवं कक्षा, बाथरूम में टाइल्स, हैंडवॉश फैसिलिटी, इंटरनल विद्युत वायरिग, पौधारोपण जैसे कार्यों से इन स्कूलों को स्मार्ट बनाया जा रहा है। दीवारों पर महापुरुषों की तस्वीरें और पेंटिंग छात्रों की भी आकर्षित कर रही हैं।

ऑपरेशन कायाकल्प के तहत यूपी सरकार ने कैसे रंगत बदली है, वह बरेली के स्कूलों की तस्वीरें देखकर आपको अंदाजा हो जाएगा। जिलाधिकारी बरेली ने अपने ट्विटर हैंडल पर क्षेत्र के कई स्कूलों की तस्वीरें शेयर की हैं जिन्हें देखकर वाकई मन खुश होता है। यह तस्वीरें शिक्षा प्रणाली की सुधार की दिशा में आम जन का विश्वास जगाती हैं। डीएम बरेली लिखते हैं- 'ऑपरेशन कायाकल्प' की सफलता की कहानी। विकास खंड शेरगढ़ के सहोड़ा गांव में 1930 में बने खपरैल वाले जर्जर हो रहे स्कूल (फोटो-1,2) का कर दिया कायाकल्प।फर्श जगमग कर रहा और नई छत भी साफ सुथरी (फोटो-3,4), बरेली के ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूल रच रहे नया इतिहास। केवल बरेली में 1292 स्कूलों का सुंदरीकरण हो चुका है, 775 अन्य स्कूलों का किया जा रहा है कायाकल्प।[11]

संदर्भ

1. Times of India newspaper
2. Dainik Bhaskar newspaper
3. Dainik Jagaran
4. India Today
5. Business news
6. Indian journal of environmental sciences
7. International journal of social service
8. Community magazine
9. Grahshobha
10. Elle magazine
11. Vogue magazine

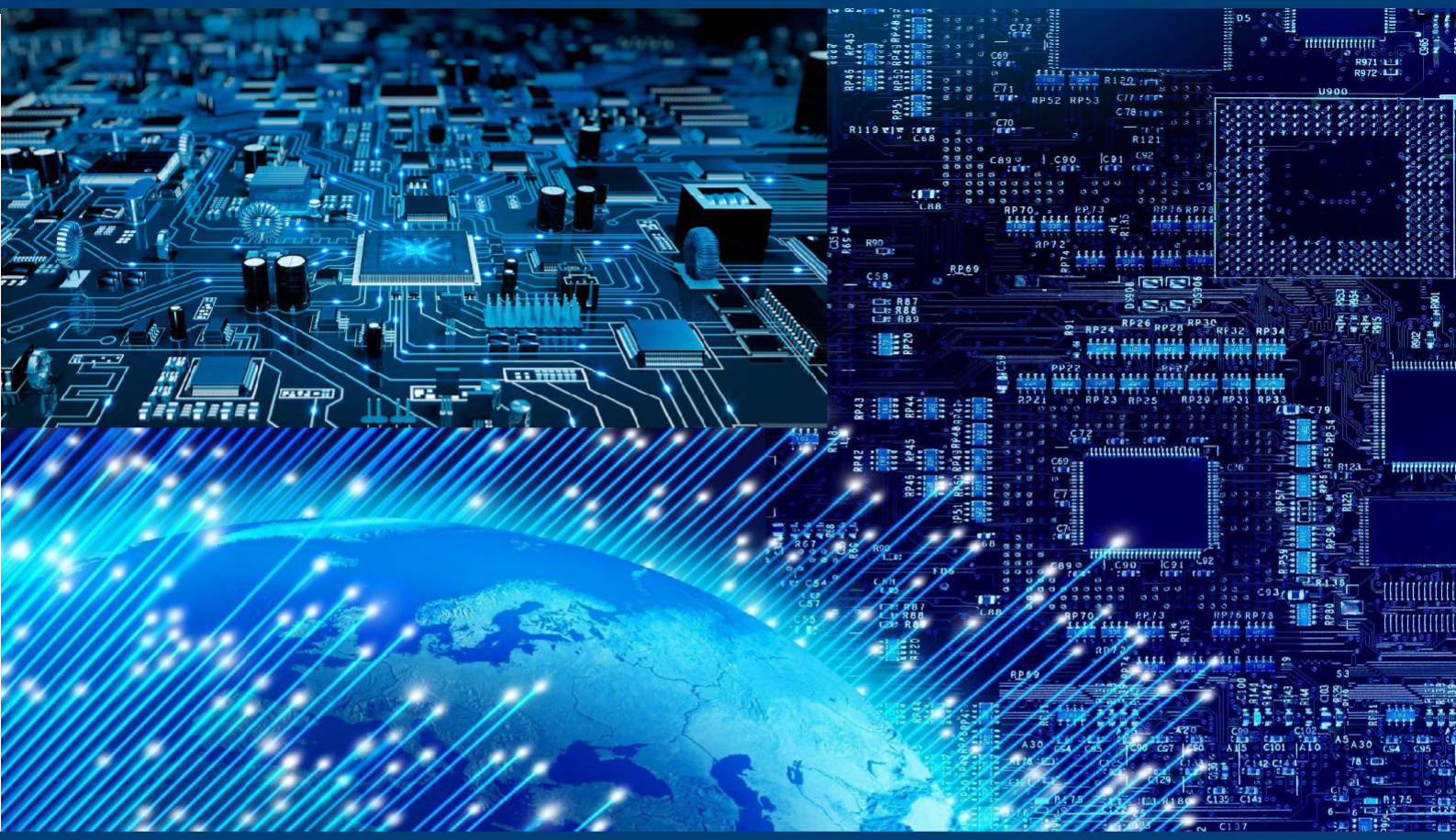

International Journal of Advanced Research in Arts, Science, Engineering & Management (IJARASEM)

| Mobile No: +91-9940572462 | Whatsapp: +91-9940572462 | ijarasem@gmail.com |